

अतिथियों को माँ नर्मदा का चित्र स्मृति चिन्ह स्वरूप भेंट किया गया

डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं पर हुआ विशेष संवाद

जुलाई में खुलेगा एसआर-3 मार्ग, वहीं दीनदयाल चौक पर यातायात दबाव कम करने एसआर-2 मार्ग का निर्माण भी अंतिम चरण में

जबलपुर। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ जबलपुर द्वारा होटल गुलजार में डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं, चुनौतियों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य एवं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुई। महानगर संयोजक डॉ. विवेक जैन ने संवाद की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉक्टरों एवं हेल्थकेयर वर्कर्स की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल करना समय की आवश्यकता है। प्रदेश सह संयोजक डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी ने प्रियंक कानूनगो का स्वागत किया, जबकि योगेंद्र सिंह ठाकुर का स्वागत डॉ. शुभम राज अवस्थी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथियों को माँ नर्मदा का चित्र स्मृति चिन्ह स्वरूप भेंट किया गया।

अपने संबोधन में प्रियंक कानूनगो ने कहा



कि डॉक्टर एवं हेल्थकेयर वर्कर्स समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने, डॉक्टरों की सुरक्षा, सम्मान एवं सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संवाद के दौरान उपस्थित डॉक्टरों ने स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, चुनौतियों एवं सुझावों पर खुलकर अपने विचार रखे। अंत में डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी ने सभी अतिथियों, डॉक्टर साथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. नवीन कोठरी, डॉ.

संजय मिश्रा, डॉ. सतेंद्र मिश्रा, डॉ. विनोद तमकार, डॉ. अभिजीत मुखर्जी, डॉ. अभिनव श्रीवास्तव, डॉ. पुष्पराज पटेल, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. ए.के. सोनकर, डॉ. शिल्पा अग्रवाल, डॉ. दीपक मिश्रा, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. के.के. वर्मा, डॉ. हर्षा रेड्डी, डॉ. जे.एन. खरे, डॉ. वीरेंद्र साहू, डॉ. सचिन बुधोलिया, डॉ. प्रियांक दुबे, डॉ. सरिता साहू, डॉ. शबनम साकेत, डॉ. मणि नेमा एवं डॉ. गौरव सिंह सहित बड़ी संख्या में डॉक्टर एवं हेल्थकेयर वर्कर्स उपस्थित रहे।

जेडीए अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने योजनाओं की बेहतर प्लानिंग तैयार कर उन्हें तय समयसीमा में मूर्तरूप देने पर बल दिया

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अध्यक्ष संदीप जैन ने शुक्रवार को प्राधिकरण कार्यालय में अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीपक वैद्य, उपाध्यक्ष यंत्री, कार्यपालन यंत्री, वित्त अधिकारी, सम्पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीपक वैद्य ने प्राधिकरण के बजट, विभागीय संरचना, संपत्तियों एवं विभिन्न योजनाओं में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने योजना क्रमांक-64 एवं 65 में निर्माणधीन एस.आर.-3 मार्ग की प्रगति बताते हुए कहा कि यह मार्ग जुलाई तक पूर्ण होकर आवागमन के लिए तैयार हो जाएगा। इसके अलावा टीडीएस-2 योजना में निर्माणधीन एस.आर.-2 मार्ग एवं अन्य आवासीय एवं व्यवसायिक प्रोजेक्ट्स की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने निर्देश दिए कि मास्टर प्लान के अनुरूप शहर का सुनियोजित एवं समग्रबद्ध विकास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने एस.आर.-3 एवं एस.आर.-2 मार्गों का



निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के साथ योजना क्रमांक-64 एवं 65 के आंतरिक विकास कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एस.आर.-2 मार्ग के पूर्ण होने से पाटन बाईपास क्षेत्र को नया लिंक मार्ग मिलेगा और दीनदयाल चौक पर यातायात दबाव कम होगा। बैठक में निर्माणधीन आवासीय एवं व्यवसायिक प्रोजेक्ट्स को शीघ्र पूरा कर रेशा अनुमति प्राप्त करने तथा नियमानुसार विक्रय प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। संदीप जैन ने कहा कि शासन की मंशानुसार विकास योजनाओं को समय पर पूर्ण करना प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। इससे आमजन को समय पर लाभ मिलेगा और भूमिस्वामियों का भी विकास योजनाओं के प्रति विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों एवं समयसीमा का पालन करते हुए योजनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए।

पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए जेडीए अध्यक्ष ने योजनाओं में रेन वाटर हार्वैस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य करने तथा बिना इस व्यवस्था के पत्रओ जारी नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से नगरिकों के साथ शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार एवं निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने पर भी जोर दिया। बैठक में सिविक सेंटर क्षेत्र को अधिक सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। वहीं जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी ने यातायात व्यवस्था, पार्किंग, स्वच्छता और अतिक्रमण जैसी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में स्थित कैफेटेरिया, जो पिछले कुछ महीनों से बंद है, उसे सुनियोजित योजना के तहत पुनः संचालित किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी ने कहा कि क्षेत्र का बहुआयामी और चोमूखी विकास संस्था की प्राथमिकता है तथा नगरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर सभी कार्य किए जाएंगे।

सिविक सेंटर क्षेत्र होगा सुव्यवस्थित, कैफेटेरिया फिर से होगा शुरू

शहर के हृदय स्थल सिविक सेंटर क्षेत्र को सुव्यवस्थित एवं सुनियोजित स्वरूप में विकसित करने की दिशा में

10 दिन तक चलेगा क्रिकेट महाकुंभ, 16 टीमों लेंगी हिस्सा

रेलवे स्टेडियम में सजेगा महापौर प्रीमियर लीग का मैदान

जबलपुर। शहर में खेल गतिविधियों और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगामी 1 से 10 अक्टूबर तक रेलवे स्टेडियम में महापौर प्रीमियर लीग का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर शुक्रवार को महापौर जगत बहादुर सिंह अनूप ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आयोजन की रूपरेखा तय की। बैठक में नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। महापौर ने बताया कि शहर के 8 सामाजिक संगठन प्रतियोगिता में भाग लेंगे और प्रत्येक संगठन दो-दो टीमों मैदान में उतारेगा। इस तरह कुल 16 टीमों प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। जैन, पंजाबी, सिंधी, सराफ,



खेल के साथ सामाजिक समरसता पर भी जोर

महापौर ने कहा कि यह आयोजन केवल क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं, बल्कि शहर की एकता और खेल भावना का उत्सव होगा। प्रतियोगिता के संचालन और अन्य निर्णयों के लिए समिति गठित की जाएगी, जिसके निर्णयों के आधार पर आयोजन संपन्न कराया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं करने की बात कही गई है।

ब्राह्मण, चौरसिया, सिख और टीमों के बीच मुकाबले खेले जाएंगे। विजेता टीम को 1 लाख 21

हजार रुपये का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

लिफ्ट मांगकर सवार बदमाश रास्ते में बाईक और मोबाइल लूटकर भागा

जबलपुर। मादोताल थाना अंतर्गत चुंगी नाका में एक बाईक चालक से एक अज्ञात युवक ने स्टर सिटी तक लिफ्ट मांगी और स्टर सिटी के पास लघुशुका के बहाने से बाईक रोककर बाईक चालक से मारपीट कर उसका मोबाइल और बाईक लूट कर ले गया। मादोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कठौदा पुरानी बस्ती निवासी 16 वर्षीय ऋषि मलिक गत दिवस मोपाल से बस आए अपने पिता को चुंगी नाका लेने के लिए आ रहे अपनी बाईक क्रमांक एसपी 20 जेड वाय 9088 से रात लगभग 12.30 बजे पहुँचा जहाँ पर पहले से खड़े एक अज्ञात लड़के ने उससे स्टर सिटी के पास तक छोड़ने को कहा, उसने कहा कि वह उठे से गाड़ी नहीं चला पाता है तो उक्त लड़का बोला कि तुम पीछे बैठ जाओ मैं मोटर चालक बना लेता हूँ, वह लड़के की बात में आ गया और मोटर सायकल में पीछे बैठ गया जैसे ही स्टर सिटी कालोनी गेट के सामने पहुँचे उक्त लड़के ने लघुशुका करने के लिये बाईक रोकी तथा अचानक से उसे पकड़कर मारपीट करने लगा एवं उसकी जेब से उसका वॉनो कंपनी का मोबाइल छुड़ा लिया और धक्का देकर उसकी बाईक लेकर कठौदा वापस तयार भाग गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर 309(6) बीएसएस का अपराध पंजीबद्ध कर दिवेचना में लिया गया।

चिलचिलाती धूप में निगमायुक्त ने किया स्वच्छता व पर्यावरण प्रोजेक्ट्स का औचक निरीक्षण

जबलपुर। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहर के विभिन्न स्वच्छता एवं पर्यावरण प्रबंधन प्रोजेक्ट्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, साइटिफिक लैंडफिल साइट, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (MRF) एवं कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन (C&D) वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौसम की कठिनाइयों चाहे जितनी भी हों, शहर की स्वच्छता और विकास कार्यों की गति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की समीक्षा करते हुए उन्होंने कचरे से बिजली उत्पादन प्रक्रिया, प्लांट क्षमता और सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया तथा क्षमता का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित



करने के निर्देश दिए। साथ ही लैंडफिल साइट पर वैज्ञानिक तरीके से कचरा निपटान और पर्यावरण संरक्षण मानकों का पालन करने पर जोर दिया। निगमायुक्त ने सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए रीसाइक्लिंग प्रक्रिया को मजबूत करने की बात कही। वहीं C&D वेस्ट से बनने वाली निर्माण सामग्री का की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान

उन्होंने कार्यस्थलों पर तैनात कर्मचारियों से संवाद कर उनकी कार्यस्थितियों की जानकारी ली और भीषण गर्मी में कार्य करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों के लिए ठंडे पानी, छांव एवं आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। औचक निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

मेट्रो बस की टक्कर से महिला की मौत, बेटी-दामाद घायल

जबलपुर। गढ़ा के कछपुरा ओवरब्रिज में शुक्रवार की दोपहर एक तेज रफ्तार मेट्रो बस ने बाइक सवार 2 महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला बस के पहिए में फँस कर कुछ दूर तक घिसटती चली गई। जिसके चलते उसके सिर पर पड़ुची गंभीर चोट कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में महीला के बेटी और दामाद घायल हो गये, जिन्हें इलाज के लिये मेडिकल कालेज भेजा गया। पुलिस के मुताबिक यादव कॉलोनी निवासी कविता पटेल अपनी बेटी और दामाद के साथ बाइक से गढ़ा की ओर जा रही थीं। दोपहर करीब 2 बजे जब उनकी बाइक कछपुरा ब्रिज की ढाल से नीचे उतरी, तभी सामने से आ रही मेट्रो बस के चालक ने अचानक लापरवाही से यू-टर्न ले लिया। पुलिस के मुताबिक दुर्घटना करने वाले मेट्रो वाहन का नंबर एमपी-20-पीए-1271 बताया गया है बाइक सीधे बस की चपेट में आ गई। हादसे में 42 वर्षीय कविता पटेल की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी और दामाद घायल हो गए। बताया जाता है कि पहिए में घिसटती महिला का सिर बुरी तरह कुचल गया था और भेजा बाहर आ गया था। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाते हुए आरोपी बस चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज भी एकत्रित किए जा रहे हैं।

उपभोक्ता मंच ने जांच आयोग के समक्ष दायर की याचिका

जबलपुर। पटाखा फैक्ट्रियों में लगातार हो रही विस्फोट की घटना पर चिंता जाहिर करते हुए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के विभिन्न आदेशों को हवाला देकर देवास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट कांड की जांच के लिए गठित जांच आयोग के समक्ष याचिका प्रस्तुत की। याचिका में मांग की गई है कि लगातार हो रहे हादसों में नियंत्रण के लिए सख्त कार्रवाई आवश्यक है। याचिका में कहा गया है कि मध्यप्रदेश में पिछले 2 वर्षों में पटाखा फैक्ट्रियों में हादसों की 4 घटनाएँ हुईं। हरदा, मऊ, मुरैना और अब देवास में। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं के लिये सख्त कार्यवाही की जाना चाहिये। यह

2 साल में 4 पटाखा फैक्ट्रियों में विस्फोट की घटनाएं

प्रार्थना करते हुये डॉ. पी.जी. नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने शुक्रवार को टोककला (जिला देवास) के पटाखा फैक्ट्री में हुये हादसे की जांच आयोग के चेयरमैन न्यायमूर्ति सुभाष काकड़े को याचिका प्रस्तुत की। याचिका में सुप्रीम कोर्ट तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा जारी विभिन्न आदेशों का हवाला देकर बताया कि इन आदेशों की पूर्णतः अनदेखी की गई है।

थानेदार पर अवमानना कार्रवाई की मांग

डॉ. पी.जी. नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने बताया कि उनके द्वारा दायर याचिका पर एनजीटी ने 12 मई को रफट निर्देश दिये हैं कि न्यायालयों

के आदेशों का पालन नहीं करने पर संबंधित पुलिस थानेदार पर अवमानना मुकदमा दर्ज किया जाये। इसी आदेश के 2 दिन बाद ही देवास में 14 मई को हादसा हुआ। फिर भी शासन चुप बैठा है।

देवास के पीड़ितों को भी मुआवजा दिया जाए

याचिकाकर्ताओं के एडवोकेट प्रभात यादव ने बताया कि हरदा घटना की याचिका में एनजीटी ने निर्देश दिये थे कि पीड़ितों को 20 लाख की राशि दी जाये। इसी के तहत पर देवास घटना के पीड़ितों को भी पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशियां प्रदान की जायें। पब्लिक लायबिलिटी इश्योरेंस एक्ट के तहत भी पीड़ितों को राहत राशियां देने का प्रावधान है। लिहाजा देवास घटना जांच आयोग इस संबंध में निर्देश जारी करे।

प्रशासन, श्रमजीवी पत्रकार परिषद सहित गणमान्यजनों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

श्रीमती पटेरियाजी की सहृदयता, कर्मठ आदर्श जीवन एवं सेवाभाव सदैव प्रेरणा देता रहेगा



जबलपुर। हरिभूमि समाचार पत्र के अनुरोध पटेरिया की पूज्य माताजी श्रीमती भानु देवी पटेरिया का 8 मई को देवलोक गमन हो गया था। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने उनके निवास पर जाकर पूज्य माताजी जी को अपने ओर से भावांजलि पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि समर्पित की। परिषद

के सभी पदाधिकारियों ने पूज्य माता श्री के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन समर्पित किये। श्रमजीवी पत्रकार परिषद के पदाधिकारियों ने अपनी शोक संवेदना में कहा है कि पूज्य माताजी जी की मधुर स्मृतियाँ सदैव जीवंत रहेगी। हम सभी दिवंगत आत्मा की शांति और मोक्ष प्रदान हेतु प्रभु से एवं मोक्ष

प्रदायनी माँ नर्मदा से प्रार्थना करते हैं। वही इस दुःख की घड़ी में हम सभी पटेरिया परिवार के साथ हैं। परिषद के सभी पदाधिकारियों ने अपनी श्रद्धांजलि में कहा कि पूज्य माताजी जी की पूज्य माताजी जी के साथ साथ जीवन पर्यंत धर्म कर्म में क्रियाशील रही। उनका असीम स्नेह, सहृदयता, त्यागमय कर्मठ जीवन, प्रेममय

व्यहार एवं आदर्श पूर्ण जीवन शैली व संस्कारों के साथ सादगीपूर्ण जीवन व आशीर्वाद सदैव परिवार एवं जुड़े पारिवारिक जन शुभचिंतकों को प्रेरणा देता रहेगा। विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत बाजपेयी, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय सचिव देवशंकर

अवस्थी, विलोक पाठक, राजीव उपाध्याय, संतराम केवड़े, शिवकुमार तिवारी, चंद्रशेखर शर्मा, सुरेश कामले, श्रीमती मीना चौधरी, सिमरन सिंह शुक्ला, शिव चौरसिया, सतीश अग्रवाल, अनुराग दीक्षित, नीरज जैन, कोशलन्द्र महाजन सहित प्रदेश संभाग जिले के पदाधिकारियों ने अपनी ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महापौर जगत बहादुर सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष रमेश सोनकर, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज ब्रिज, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर राजीव बड़ेरिया, वरिष्ठ समाजसेवी योगेन्द्र दुबे, पार्षद अतुल जैन दानी, जनसंपर्क अधिकारी आनंद जैन देवेश मिश्रा, अजय तिवारी, श्याम सोहाने, मुकेश जी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रभु से ब्रह्मलीन आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को यह गहन दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।



देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती का भव्य समापन

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई: नृत्य-नाटिका के माध्यम से जीवंत हुआ लोकमाता का सेवा भाव

जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, जबलपुर के सहयोग से आज 29 मई को मानस भवन प्रेक्षागृह, राइट टाउन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन न केवल उनके 300वें जन्मोत्सव के समापन का साक्षी बना, बल्कि 301वें वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के उप संचालक अमित कुमार यादव एवं अखिल भारतीय गडरिया समाज से मेोती श्रीपाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत माल्यापण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। संस्कृति संचालनालय के आयुक्त मदन बिभीषण नागरगोखे ने अपने संबोधन में कहा कि देवी अहिल्याबाई का मध्यप्रदेश से जुड़ाव राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा देवी अहिल्याबाई एक कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ धर्म और राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोने वाली महानायिका थीं। भारत के प्रमुख आध्यात्मिक नगरी में उनके द्वारा कराए गए मंदिरों के



जीर्णोद्धार, घाटों और धर्मशालाओं का निर्माण उन्हें आज भी लोकमाता की प्रतिष्ठा प्रदान करता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉ. संध्या पुरेचा द्वारा निर्देशित एवं परिकल्पित भव्य नृत्य-नाटिका पुण्यश्लोक अहिल्याबाई रही। सरफोजी राजे मोसले बीएनटी एंड आर सेंटर, मुम्बई द्वारा प्रस्तुत इस नाट्य-आधारित प्रस्तुति में भगवना शाह सहित 55 कलाकारों ने देवी अहिल्याबाई के जन्म से लेकर उनके शासनकाल, व्यापारपूर्ण व्यवस्था, जन-कल्याण, धर्मनिष्ठा और भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण को जीवंत किया।

इस प्रस्तुति में पार्षद स्वर श्री हरीश मिगानी ने दिए, संगीत संयोजन श्री अजित परब ने किया, जबकि नृत्य निर्देशन श्री सुभाष नकाशे (सुभाष नागरे) द्वारा किया गया। नाटक के लेखक विवेक आपटे एवं सुभाष साईंगले हैं। संगीत, नृत्य, कथन एवं प्रभावशाली दृश्यांकन के माध्यम से यह प्रस्तुति उनके करुणा, सुशासन और मातृत्व के आदर्शों को उजागर करने में पूर्णतः सफल रही। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा पिछले वर्ष देवी अहिल्याबाई के सम्मान में 18 महीने के उत्सव का शुभारंभ किया गया था। इस अभियान

का उद्देश्य उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाना है। आने वाले समय में लोकमाता के साहित्य का विभिन्न भाषाओं में प्रकाशन और उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं तीर्थ स्थलों के चित्रों को समाहित करती कॉपी टेबल बुक भी जारी की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके आदर्शों से निरंतर प्रेरणा ले सकें। कार्यक्रम के दौरान संस्कृति विभाग की ओर से श्याम मोहन शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन दिवेश शर्मा द्वारा किया गया।

जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जागरूक

सिहोरा। नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन संस्था की अध्यक्ष सुष्मा सिंह करंजुली के संयोजन में किया गया जिसका शुभारंभ भावना गौतम द्वारा प्रस्तुत मां गंगा की आरती से किया गया।इस अवसर पर उप जेल अधीक्षक दिलीप नायक एवं पार्षद रीता शुक्ला ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक करते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल बचाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। संचालन सचिव सारिका साहू ने किया इस दौरान जल संरक्षण विषयक



प्रश्नोत्तरी का आयोजन अर्चना जैन और आकांक्षा गर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आयोजित संगीत संध्या में साधना साहू,रीना साहू,छबी साहू,दीपति जैन,सॉझ जैन एवं शालिनी बक्शी द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। जिसमें संगीत सुधीर अवस्थी,नारायण त्रिपाठी

एवं नीरज गौतम ने दिया।आयोजन में स्नेह लता साहू,वर्षा ठाकुर,गीता पटेल,कल्पना यादव,मधु पटेल,प्रिया पटेल,राम पटेल,समर्थ साहू,सानू गर्ग,तृपति पटेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।आभार व्यक्त मीनू पहिरार ने किया।

पमरे के 107 रेलकर्मों सेवानिवृत्त, सम्मान समारोह आयोजित

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय में कार्यरत उप मुख्य परिचालन प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता सहित कुल 107 रेलकर्मों शुक्रवार 29 मई 2026 को सेवानिवृत्त हुए। इनमें जबलपुर, भोपाल, कोटा मंडलों एवं दोनों कारखानों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हैं। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, मुख्य यातायात योजना प्रबंधक राजेश दत्त बाजपेई, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) श्रीमती रश्मि बघेल एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (औद्योगिक संबंध) अजय कुमार दीक्षित ने सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति संबंधी दस्तावेज प्रदान किए। मुख्यालय में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक सुरेश कुमार, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक त्रिभुवन सिंह एवं ऑफिस असिस्टेंट गीता देवी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रेल प्रशासन की ओर से सभी सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। समारोह में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी संजय कुमार,



परिचालन एवं कार्मिक विभाग के अधिकारी, मुख्य कल्याण निरीक्षक सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी (प्रशासनिक) शैलेन्द्र सिंह गौर ने किया। जानकारी के अनुसार, सेवानिवृत्त होने वालों में मुख्यालय के 1 अधिकारी एवं 3 कर्मचारी, जबलपुर मंडल के 26 कर्मचारी, जबलपुर निर्माण संगठन का 1 कर्मचारी, भोपाल मंडल के 2 अधिकारी एवं 36 कर्मचारी, भोपाल कारखाना के 8 कर्मचारी, भोपाल निर्माण संगठन का 1 कर्मचारी, कोटा मंडल के 1 अधिकारी एवं 25 कर्मचारी तथा कोटा कारखाना के 3 कर्मचारी शामिल हैं। सभी सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

स्थानीय खेल समाचार



नवोदित क्रिकेटर अशोका हाल जहांगीराबाद क्लब की टर्फ में निखरेंगे

जबलपुर। नवोदित क्रिकेटरों को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से अशोका हाल जहांगीराबाद क्रिकेट क्लब की नई टर्फ का शुभारंभ महापौर जगत बहादुर सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने नई खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके खेल को सराहा। विजयनगर स्थित क्लब परिसर में टर्फ पर निशुल्क प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत भी की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नवोदित क्रिकेटर भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा सापोरकर भी विशेष रूप से उपस्थित रहें।मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की मैनेजिंग कमेटी के सदस्य अचल सिंह गौर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस क्रिकेट एरिना में दो सीमेंटड विकेट और पांच टर्फ विकेट तैयार किए गए हैं। यहां स्कूल एवं शहर के उभरते खिलाड़ियों को क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य कोच अजय चौबे एवं सहायक कोच अंशुल मिश्रा द्वारा खिलाड़ियों को क्रिकेट की बेसिक्स से लेकर तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। क्लब को इस पहल को शहर में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन ने जीता सराफा प्रीमियर लीग सीजन-1 का खिताब

जबलपुर। रिमझिम वारिश के बीच गुरुवार देर रात खेले गए सराफा प्रीमियर लीग (एसपीएल) सीजन-1 के रोमांचक फाइनल मुकाबले में ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन ने 24 कैरेट शेखर राजा टीम को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। रानीताल खेल परिसर स्थित वेलेडोम मैदान पर खेले गए इस फाइनल में दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए 24 कैरेट शेखर राजा टीम ने 12 ओवर में 122/4 रन बनाए। जबाब में ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन ने 10.5 ओवर में 123/5 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल की शुरुआत से पहले दोनों टीमों ने राष्ट्रगान के साथ मैदान पर उपस्थिति दर्ज कराई। पूरे मुकाबले के दौरान हर गेंद पर दर्शकों में रोमांच देखने को मिला। अंततः ओशो गोल्ड योद्धा इलेवन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। विजेता टीम की ओर से



अनुशासित खेल, बेहतर रणनीति और टीमवर्क ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैच के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक लखन घनघोरिया, पार्षद अतुल दानी तथा जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई। साथ ही प्रतियोगिता में शामिल सभी 18 टीमों के खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बेस्ट बॉलर,

बेस्ट फील्डर और मैन ऑफ द टूर्नामेंट सहित अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए गए। आयोजन समिति ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया। मीडिया प्रभारी दीपक सोनी के अनुसार कार्यक्रम में सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा सराफ, पूर्व अध्यक्ष सुरेश सराफ, अजय बख्तावर, नवीन सराफ सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

अभाविप ने वेटरनरी विश्वविद्यालय में किया प्रदर्शन, रखी कुलसचिव के इस्तीफे की मांग

जबलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), जबलपुर महानगर द्वारा नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में व्याप्त कथित प्रशासनिक एवं शैक्षणिक अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान परिषद ने कुलपति को ज्ञापन सौंपकर कुलसचिव के इस्तीफे की मांग की। ज्ञापन में अभाविप ने विश्वविद्यालय में छात्रों के हितों की उपेक्षा, भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी, छात्रावास एवं मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति तथा वित्तीय अनियमितताओं जैसे गंभीर मुद्दों पर निष्पक्ष जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग की। महानगर मंत्री आर्यन पुंज ने बताया कि पॉलिटेक्निक डिप्लोमा संविदा भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों से अत्यधिक शुल्क वसूले जाने का आरोप है, जो अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तुलना में अनुचित बताया गया है। परिषद ने शुल्क निर्धारण प्रक्रिया को सार्वजनिक



करने और अतिरिक्त राशि वापस करने की मांग भी की। अभाविप ने आरोप लगाया कि संविदा सहायक प्राध्यापक भर्ती में योग्य अभ्यर्थियों की उपेक्षा की गई है। साथ ही विभागीय कर्मचारियों के स्थानांतरण, प्रशासनिक पदों पर कथित मनमानी नियुक्तियों तथा प्रक्रियागत अनियमितताओं की जांच की मांग उठाई गई। परिषद ने छात्रावासों की स्थिति, कैटीन व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कई स्थानों पर दरारें एवं खराब निर्माण कार्य सामने आ रहे हैं, जो लापरवाही की ओर संकेत

करते हैं। अभाविप ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इन सभी मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन छात्रहित एवं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा की रक्षा के लिए व्यापक आंदोलन करेगा। इस अवसर पर महानगर मंत्री आर्यन पुंज सहित ऐश्वर्या सोनकर, शोभित मिश्रा, दिव्यांक पचौरी, प्रफुल तिवारी, भास्कर पटेल, सत्यम पटेल, आशुतोष पटेल, सूर्याश ठाकुर, ओजस्व पांडे, शिवम उपाध्याय, विकास पांडेय, साक्षर सिंह, सात्विक दुबे, वैदिक जैन, अलख राज झरिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एचडीएफसी बैंक कैपस ड्राइव में विद्यार्थियों ने दिखाई सहभागिता

शासकीय श्यामसुंदर कालेज में आयोजन

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अखाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में स्वामी विवेकानंद कंसियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एचडीएफसी बैंक के ऐस बैंकर प्रोग्राम हेतु कैपस ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मनोज कुमार श्रीवास्तव के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में तथा प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ.सुदेश मेहराोलिया के संयोजन में किया गया।इससे देश की अगुाणी प्रतिमा विकास संस्था एनआईआईटी नीट का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार संभावनाओं से अवगत कराना तथा उन्हें निजी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मक चयन प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक बनाना था। इसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। एनआईआईटी के मानव संसाधन प्रतियोगिता सूरज राव ने विद्यार्थियों को बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को एचडीएफसी बैंक में ऑन-रोल "असिस्टेंट मैनेजर" पद पर कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

लोध-लोड समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह 31 को

पनागर/जबलपुर। अखिल भारतीय लोध/लोढ़ा/लोढ़ अधिकारी कर्मचारी संघ “आलोक” जबलपुर द्वारा 31 मई 2026, रविवार को “पंचम प्रतिभा सम्मान समारोह” का आयोजन मानस भवन, राइट टाउन जबलपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। समारोह में शिक्षा, संस्कृति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 5वीं एवं 8वीं में 75 प्रतिशत तथा कक्षा 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मान मिलेगा। इसके अलावा नवोदय विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों, नव नियुक्त एवं सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों तथा जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ जन, युवा, मातृसक्ति एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता रहेगी। आयोजकों ने समाज के अधिक से अधिक लोगों से समारोह में उपस्थित होकर प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। आलोक संघ जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी, जबलपुर द्वारा आयोजित इस समारोह को सफल बनाने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

1 जुलाई से स्कूल खोलने की मांग

सिहोरा। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने प्रदेश में भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यालयों का संचालन 1 जुलाई से प्रारंभ करने की मांग की है संघ का कहना है कि इस समय गर्मी में घर से निकलना मुश्किल है इसी बीच में कुछ शिक्षक साथी जनगणना कार्य में लगे रहने के कारण उनको अवकाश नहीं मिल पाया है।संघ के अध्यक्ष के जी पाठक,सुशील दाहिया,आनंद गुप्ता,अनिल सलाम, बलराम उपाध्याय,आशीष पहारिया,निर्मल सोनी, राजेंद्र सोनी,गगन राज दुबे,रहीम खान,अशोक गारी,रामकिशोर विक्रमर्मा,राघवेंद्र पौराणिक आदि ने मांग की है कि 1 जुलाई से शिक्षक विद्यार्थियों के लिए स्कूल खोल जावे।

नर्मदा कप: हिमालयन और नर्मदा टीम फाइनल में पहुंची

जबलपुर। नर्मदा कप क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में अंडर-13 वर्ग में हिमालयन टीम और अंडर-17 वर्ग में नर्मदा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अंडर-13 सेमीफाइनल में हिमालयन ने एचएलसीए कटनी को 78 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हिमालयन ने 20 ओवर में 169 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान यश पटेल ने 38 रन, आराध्या शर्मा ने 29 रन और अनिकेत पटेल ने 18 रन का योगदान दिया। जवाब में एचएलसीए कटनी की टीम 91 रन पर ऑलआउट हो गई। कटनी की ओर से नव्यांश ने 28 रन और देव बिस्वास ने 24 रन बनाए। हिमालयन के गेंदबाज अथर्व ने 3 विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई।



वहीं अंडर-17 वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में नर्मदा टीम ने डीएनसीए को 7 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। डीएनसीए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाए, जिसमें संस्कार ने 42 रन का योगदान दिया। नर्मदा की ओर से यशोधन और अभिनव ने 3-3 विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी की।

लक्ष्य का पीछा करते हुए नर्मदा ने 16.5 ओवर में 137/3 रन बनाकर मैच जीत लिया। यशोधन ने नाबाद 60 रन (45 गेंद) और अर्दित यादव ने 43 रन (45 गेंद) की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिससे टीम ने आसान जीत दर्ज की। अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल में अब नर्मदा टीम की भिड़ंत तय हो गई है।

श्री ओमप्रकाश पांडे- सालीवाडा कॉलोनी गौर नि वा सी पुलिस से सेवा निवृत्त प्र धा न आरक्षक श्री ओमप्र काश पांडे का निधन हो गया। वे अनिल पांडे, नीरज पांडे के पिताजी थे। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।



श्री संदीप तिवारी- लॉर्डगंज निवासी श्री संदीप तिवारी का निधन हो गया। वे सं ज य ति वा री प र मे श तिवारी के भाई एवं आ शी ष तिवारी के बड़े भाई थे। अंतिम यात्रा आज शनिवार 12 बजे उनके निज निवास स्थान कचनार सिटी से रानीताल शमशान घाट के लिए



प्रस्थान करेगी। श्रीमती आशा रानी अग्रवाल- तेंदूखड़ा नरसिंहपुर निवासी श्री लक्ष्मी प्रसाद अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती आशा रानी अग्रवाल (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री दविन्दर सिंह मैनी- गोरखपुर थाने के पीछे निवासी श्री दविन्दर सिंह मैनी (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती रामरति पांडे- गुप्तेश्वर निवासी श्रीमती रामरति पांडे (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री कृपाल सिंह सैयाम- शास्त्री ब्रिज नरसिंह मंदिर के पीछे निवासी श्री कृपाल सिंह सैयाम (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती रामकली मिश्रा- गोपालपुर बिलहरी निवासी श्री बाबू लाल मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली मिश्रा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट

मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीधर सोंधिया- रानीताल टेलीग्राफ गेट नं. 4, साई मंदिर के पीछे निवासी श्रीधर सोंधिया (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया। श्री चैतन्य प्रसाद जायसवाल- गंगासागर रोड गढ़ा निवासी श्री चैतन्य प्रसाद जायसवाल (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राजेश वाल्मीकि- पुरानी बस्ती गौरीघाट निवासी श्री राजेश वाल्मीकि (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री रमेश दीक्षित- तुलसीनगर

शमशान भूमि में किया गया। श्री गोलू चौधरी- आगा चौक उजार पुरवा गली नं. 4 निवासी श्री कस्सी चौधरी के पुत्र श्री गोलू चौधरी (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री जय कुमार साहू- जयनगर यादव कॉलोनी निवासी श्री जय कुमार साहू (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया। श्री राजेश वाल्मीकि- पुरानी बस्ती गौरीघाट निवासी श्री राजेश वाल्मीकि (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री रमेश दीक्षित- तुलसीनगर

रांझी निवासी श्री रमेश दीक्षित (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती सभ्यता सिंह ठाकुर- न्यू कंचनपुर अधरताल निवासी श्री विजय सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती सभ्यता सिंह ठाकुर (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती उमा कटार- अनुराधा कॉलोनी टेमर भीटा वाटर वक्स रोड निवासी राकेश कटार की धर्मपत्नी श्रीमती उमा कटार (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि बिज्ी/शेक/उदावन, पगड़ी रम, पुष्पतिथि

संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अवकाश 40/- प्रति कल्पार 8.00	किस्स सड़क:- 1000 से.मी.	वैकेंक/सर्वेंट 300/-
	किस्स सड़क:- 1000 से.मी.	टैलीन 400/-
	किस्स सड़क:- 1000 से.मी.	टैलीन 1100/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303108294, 9407362160





अल्फाजों का वो 'उजाला' हमेशा रहेगा



बशीर बद्र साहब पर पीएचडी करने वाले अंजुम ने खोले अटन्नी-चवन्नी वाले राज

बातचीत ►► मधुरिमा राजपाल

प्रसिद्ध शायर अंजुम बाराबंकी ने डॉ. बद्र को याद करते हुए भावुक अंदाज में कहा, साल 1994 में मैंने बशीर बद्र साहब पर पी.एचडी की थी। मेरा शोध विषय था 'बशीर बद्र: लाइफ एंड वर्क', लेकिन सच कहूं तो वह केवल एक शोध नहीं था, बल्कि उनके साथ बिताए गए 40-45 वर्षों की यादों का सफर था। हमारा रिश्ता उस्ताद और शगिर्द से कहीं बढ़कर पिता और बेटे जैसा हो गया था। हमने साथ में सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक की यात्राएं कीं। दिलचस्प बात यह थी कि हर यात्रा से लौटने के बाद वे मुझसे एक-एक पैसे का हिसाब मांगते थे। फिर बैठकर आधा-आधा खर्च बांटते और उस पर लंबी बहस भी करते। यह बहस हजारों रुपयों की नहीं, बल्कि 25 और 50 रुपयों यानी अठन्नी चवन्नी तक की होती थी। उनकी यही सादगी और जीवन के प्रति अनुशासन मुझे हमेशा प्रभावित करता था। वे अक्सर कहते थे कि उनकी आखिरी तनख्वाह मात्र 165 रुपए महीना थी, इसलिए पैसे की कीमत वह भली-भांति समझते थे।



मेरे घर पर 'कहां हो? लौटकर मुझसे मिलना' की पर्ची चिपका जाते थे

उन्होंने एक और याद साझा करते हुए बताया कि जब मैंने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में उनके नाम पर पीएचडी के लिए आवेदन किया, तब कई लोग उन पर शोध करना चाहते थे। लेकिन बशीर बद्र साहब ने स्वयं कुलपति से कहा था मेरे ऊपर पीएचडी अंजुम ही करेगा, क्योंकि वह एक अच्छा शायर है। यह मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था....। अंजुम बताते हैं कि वे अक्सर उसी फिजां में रहते थे, जहां बशीर बद्र साहब का घर था। अविवाहित होने के कारण वह सुबह-सुबह टहलने निकल जाते या कहीं चले जाते थे। ऐसे में बशीर साहब उनके घर के बाहर एक छोटी-सी पर्ची चिपका जाते, जिस पर लिखा होता — 'कहां हो? लौटकर मुझसे मिलना'। उन्होंने कहा कि मैंने अपनी पीएचडी थीसिस में उन परिचियों को भी शामिल किया है। वे सिर्फ कागज के टुकड़े नहीं, बल्कि मेरे जीवन की अनमोल यादें हैं, जिन्हें मैं कभी नहीं भूल सकता।

कई पुरस्कारों से नवाजे गए

पद्मश्री (1999)

साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा गया।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

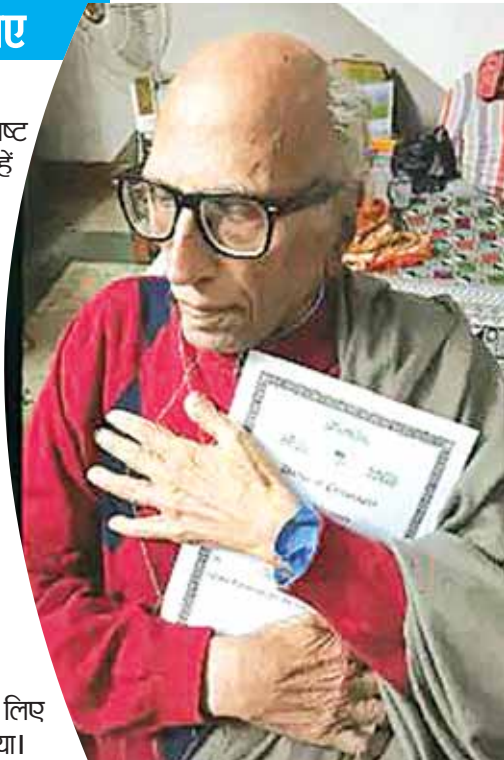
इसी वर्ष उनके प्रसिद्ध उर्दू काव्य संग्रह आस (69 वाजलों का संग्रह) के लिए उन्हें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रांतीय उर्दू अकादमी पुरस्कार

उन्हें साहित्य सेवा के लिए उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा चार बार और बिहार उर्दू अकादमी द्वारा एक बार सम्मानित किया गया।

मीर अकादमी पुरस्कार

अदबी दुनिया में उनके खास योगदान के लिए उन्हें मीर अकादमी अवार्ड भी प्रदान किया।



मुशायरों में भी उनकी गरिमानगी मौजूदगी बनी रहती थी

वे शुभ सूचना देने वाले पूर्णिमा के चांद की तरह... एक नाजुक लफ्ज शायर

पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र साहब के न रहने की खबर ठीक वैसी ही लगी, जैसे नौतपा की भीषण गर्मी में कोई बूढ़ा बरगद जड़ों समेत उखड़ गया हो। दुनिया में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो अपने नाम को पूरी तरह सार्थक कर पाते हैं, डॉ. बशीर बद्र ऐसे ही विले ईंसान थे। वे शुभ सूचना देने वाले पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह थे। यदि मैंने डॉ. बशीर बद्र को सुना न होता, तो यह पूरी तरह मुमकिन है कि मैं न तो एक बेहतर पत्रकार बन पाता और न ही एक अच्छा कवि।

बशीर साहब से मेरी मोहब्बत की एक वजह तो उनकी लाजवाब शायरी थी, और दूसरी वजह उनका जन्म 15 फरवरी 1935 को होना था। वे मेरे प्रिय कवि प्रो. प्रकाश दीक्षित से ठीक 11 दिन पहले पैदा हुए थे। प्रकाश जी अपने हर जन्मदिन पर बशीर साहब का जिक्र

बेहद आदर के साथ करते थे। मुझे ठीक-ठीक तो याद नहीं कि मैंने बशीर साहब को पहली बार कब सुना था, लेकिन संभवतः यह 1974 की बात रही होगी।

वे ग्वालियर व्यापार मेले के मुशायरों में नियमित रूप से आते थे, और इसके अलावा अन्य मुशायरों में भी उनकी गरिमायगी मौजूदगी बनी रहती थी। उन्हें सुनने वाले श्रोता भी बेहद खास थे। वे रुमानियत से भरे हुए, नौजवान और जिंदगी में संघर्ष करने वाले लोग थे। बशीर साहब शायद अपनी शायरी भी उन्हीं के लिए लिखते थे।

बशीर बद्र साहब की शायरी में मोहब्बत थी, तिरनगी (प्यास) थी, समझाइश थी और एक चेतावनी भी थी, लेकिन उनकी शायरी का एक भी शब्द ऐसा नहीं होता था जो किसी आम आदमी की समझ में न आए। वे

आधुनिक (जदीद) शायरी भी करते रहे और पारंपरिक (रिवायती) शायरी भी, लेकिन उन्हें असली पहचान उनकी प्रगतिशील शायरी ने दिलाई।

बशीर साहब के शेर भी मीर और गालिब की तरह समय के साथ मुहावरे बन गए और आम बोलचाल की कहावतों में इस्तेमाल किए जाने लगे। यह मुकाम बहुत कम शायर ही हासिल कर पाते हैं। वे मुशायरों में न तो कभी चीखकर पढ़ते थे और न ही सीना पीटकर; उनका अंदाज-ए-बयां बेहद मखमली और शालीन था। आधुनिक शायरी के दौर में बहुत से लोगों ने बशीर साहब के इस खास अंदाज की नकल करने की कोशिश की। वे किसी भी मुशायरे में हमेशा पूर्णिमा के चांद की तरह ही चमके और उनकी चमक कभी फीकी नहीं पड़ी। बशीर साहब को जीवन में जो भी

मुकाम, सम्मान और पुरस्कार मिले, वे सब उनकी उत्कृष्ट शायरी की बदौलत थे, किसी की दया या मेहरबानी से नहीं। बशीर साहब हमेशा देश के उन गिने-चुने शायरों में गिने जाएंगे जो इस नश्वर दुनिया से विदा होने के बाद भी सदियों तक बिना किसी सहारे के लोगों के दिलों में जिंदा रहते हैं।

साहित्य और कला जगत में उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए उन्हें साल 1999 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। वे मूल रूप से कानपुर के रहने वाले सैयद थे, लेकिन बाद में वे भोपाल के होकर ही रह गए। देश की सीमाओं के बाहर जहाँ कहीं भी गजल सुनी और समझी जाती है, वहाँ बशीर साहब को बेहद चाव से सुना गया। दुनिया के लगभग बीस से अधिक देशों में उनके चाहने वाले मौजूद हैं।

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए... अपने इन अल्फाजों से करोड़ों दिलों को रोशनी देने वाले महान शायर डॉ. बशीर बद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। मगर उनकी शायरी, उनकी संवेदनाएं और मोहब्बत से भरे लफ्ज हमेशा अदब की दुनिया में गूंजते रहेंगे। उन्होंने केवल गजलों नहीं लिखीं, बल्कि जिंदगी के एहसासों को इतनी सादगी और खूबसूरती से बयान किया कि हर शेर लोगों के दिलों का हिस्सा बन गया। डॉ. बशीर बद्र का जाना उर्दू अदब के उस सुनहरे दौर के खतम होने जैसा है, जिसकी महक आने वाली पीढ़िया भी महसूस रहेंगी। अब स्मृति शेष....



ईद पर उनका जाना, मानो अल्लाह का उन्हें सीधे अपनी रहमत में बुलाना है

पहली मुलाकात में जाना कि क्यों थे बशीर साहब हर दिल अजीज

वहीं बशीर बद्र के निधन पर भावुक शब्दों में जाने-माने अभिनेता रजा मुराद ने कहा कि दिल्ली में मैंने एक शो 'महफिल' किया था, जिसे शोएब इलियासी ने तैयार किया था। उस कार्यक्रम में मैंने बशीर बद्र साहब की शायरी और उनकी कलम को भी अपनी आवाज दी थी। वहीं पहली बार उनसे मुलाकात हुई और उसी क्षण मैंने महसूस किया कि वे केवल बड़े शायर ही नहीं, बल्कि बेहद जिंदादिल और हर दिल अजीज ईंसान भी हैं। उनकी शख्सियत की



सबसे खूबसूरत बात यह थी कि वे हमेशा मुस्कराते रहते थे और अपनी हर बात का जवाब भी शोरो-शायरी में ही देते थे। उनकी मौजूदगी किसी महफिल को रौनक से भर देती थी। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष भोपाल की आबो हवा में बिताना पसंद किया, क्योंकि इस शहर की खुली हवा, यहाँ की तहजीब और सुकून उन्हें दिल से पसंद था। ईद जैसे मुबारक दिन उनका इस दुनिया से रुखसत होना ऐसा लगता है, मानो अल्लाह ने उन्हें सीधे अपनी रहमत में बुला लिया हो। आज भले ही बशीर बद्र साहब हमारे बीच मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनकी शायरी, उनके अल्फाज और उनकी सोच हमेशा जिंदा रहेगी। वे अपने आप में एक चलता-फिरता विश्वविद्यालय थे। उर्दू अदब को समझने और सीखने वाला हर नौजवान आने वाले समय में उनकी शायरी से रोशनी हासिल करता रहेगा।

‘और बद्र, कैसे हो?’

बशीर साहब के मुंह से यह सुनना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था

प्रसिद्ध शायर व रंगकर्मी बद्र बस्ती ने बशीर बद्र के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि शायरी के इस दौर का एक महान शायर हमारे बीच से चला गया। बशीर बद्र साहब जितने उम्दा शायर थे, उतने ही हर दिल अजीज ईंसान भी थे। जब वे उर्दू अकादमी के चेयरमैन थे, उस समय मैं वहां उर्दू पढ़ता था। इतने बड़े पद पर होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने ओहदे का बड़प्पन महसूस नहीं होने दिया। वे मुझे अपने पास बिठाते, घंटों शोरो-शायरी पर बातें करते और बड़ी आत्मीयता से समझाते कि किसी शेर या मुशायरे में कहां नुक्ताचीनी करनी चाहिए। उनकी सबसे खास बात यह थी कि वे बेहद बेतकल्लुफ़ ईंसान थे। बातचीत में हंसी-मजाक, अपनान और गर्मजोशी हमेशा बनी रहती थी। कभी सड़क पर या किसी शादी-ब्याह में भी मुलाकात हो जाती, तो खुद मुस्कराकर कहते- 'और बद्र, कैसे हो?' उनके मुंह से यह सुनना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था।



उनका जाना शायरी के एक सुनहरे दौर का अंत होना

उन्होंने कहा, बशीर बद्र साहब का जाना ऐसा लगता है, मानो शायरी के एक सुनहरे दौर का अंत हो गया हो। उनकी शायरी सीधे दिल की गहराइयों तक उतर जाती थी। आज भी बहुत लोग शेर कहते हैं, लेकिन जिस सादगी, एहसास और रूहानियत से वे अल्फाज को जिंदगी देते थे, वैसी शायरी कर पाना बेहद मुश्किल है।

जाने-माने शायर व साहित्यकार मनीष श्रीवास्तव 'बादल' ने कहा

आज से ठीक सात साल पहले यानी 28 मई को ही हुई थी उनसे पहली मुलाकात

देश-विदेश में जब भी गजल की बात होगी, बशीर बद्र साहब नाम बहुत ही अदब से लिया जाएगा। उनके शेर जहां पार्लियामेंट में गूंजते थे तो वहीं हर मंच पर संचालक द्वारा पढ़े जाते थे। मैं बचपन से उनके शेरों को पढ़ता आया हूं, जीता आया हूं। क्या पता था कि नौकरी भोपाल लेकर आ जाएगी और बशीर बद्र साहब के साथ, उनके घर में बैठने का अवसर दे देगी। परन्तु उनकी डिमेंशिया बीमारी के कारण वर्षों तक बिस्तर पर पड़े रहना मुझे अंदर तक झकझोर दिया। उनसे मेरी पहली मुलाकात आज ही के दिन (28 मई) को साल 2019 में हुई थी, और उनसे मुलाकात का वो संस्मरण मैंने घर आकर फेसबुक पर पोस्ट किया, आज ही फेसबुक ने मुझे उनसे मुलाकात का वो फोटो और पोस्ट साझा की। उस वक्त मैं अपने एक मित्र अकबर के साथ ईटागा हिल्स स्थित उनके

घर पर गया। बशीर साहब की पत्नी राहत बद्र और बेटे ने जिस आत्मीयता से स्वागत किया, वह हमेशा स्मृतियों में रहेगा। बशीर साहब के बगल में बिस्तर पर बैठना रोमांचित कर रहा था। परन्तु दुःख इस बात का था कि एक आला दर्जे के शायर जिनकी गजलों और शेरों की दीवानी ये सारी दुनिया है, वे इस हालत में हैं कि कुछ भी, किसी को भी ठीक से पहचान भी नहीं पा रहे हैं। मैंने उनसे बहुत बात करने की कोशिश की पर वे कुछ समझ नहीं पा रहे थे और कुछ समझा भी नहीं पा रहे थे। मैं मन ही मन बहुत रोया।



एक घंटा उनके साथ बिताकर, उनके चरण स्पर्श कर वापस आ गया

इससे पहले कि आंसुओं का सैलाब फूट पड़े मैं फोन आने का बहाना बनाकर कमरे से बाहर निकल गया। थोड़ी देर बार अंदर आया तो वे सो चुके थे। करीब एक घंटा उनके साथ बिताने के बाद हम उनके चरण स्पर्श कर प्रभु से उनके शीर्ष स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हुए वापस आ गए। लगता है वो आज हमसे यह कहते हुए विदा हो गए कि जिन्दगी की शाम हो गई, मुसाफिर हो तुम भी, मुसाफिर हैं हम भी, किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी।। अलविदा, बशीर साहब....।

हर एक जुबां पर है बद्र साहब की ये शायरियां

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए

दुपमनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिदा न हों

कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी

यूँ कोई बेवफ़ा नहीं होता

जिंदगी तू ने मुझे क्रूर से कम दी है जमीं पाँव फैलाऊँ तो दीवार में सर लगता है

कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलाने तपाक से ये नए मिजाज का शहर है जरा फ्रासले से मिला करे

यहाँ लिबास की क्रीमत है आदमी की नहीं मुझे गिलास बड़े दे, पर शराब कम कर दे मोहब्बतों में दिखावे की दोस्ती न मिला अगर गले नहीं मिलता तो हाथ भी न मिला

सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा इतना मत चाहो उसे वो बेवफ़ा हो जाएगा

लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में तुम तरस नहीं खाते बसियाँ जलाने में

घरों पे नाम थे नामों के साथ ओहदे थे बहुत तलाश किया कोई आदमी न मिला

कभी कभी तो छलक पड़ती हैं यूँही आँखें उदास होने का कोई सबब नहीं होता

इसी शहर में कई साल से भिरे कुछ क़रीबी अजीज हैं

उन्हे मेरी कोई खबर नहीं मुझे उन का कोई पता नहीं

अजीब शख्स है नाराज हो के हँसता है मैं चाहता हूँ खफ़ा हो तो वो खफ़ा ही लगे

जी बहुत चाहता है सच बोले क्या करे होसला नहीं होता

याददाश्त धुंधली हुई थी पर शायरी रूह में थी

जिंदगी के आखिरी दौर में बशीर बद्र साहब 'अल्जाइमर' (भूलने की बीमारी) के शिकार हो गए थे। वह लोगों के नाम, चेहरे और यहाँ तक कि अपनी निजी जिंदगी की कई बातें भूलने लगे थे। लेकिन उनके करीबियों और पत्नी राहत बद्र के मुताबिक, इस बीमारी के बावजूद जब भी उनके सामने उनके शेरों की कोई एक लाइन बोलता था, तो वह मुस्कराकर उसकी दूसरी लाइन पूरी कर देते थे। याददाश्त भले ही धुंधली हो गई थी, लेकिन शायरी उनकी रूह में रची-बसी थी।

कलेक्टर न्यायालय का बड़ा फैसला: आधारताल तहसीलदार द्वारा पारित 7 नामांतरण आदेश निरस्त

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने न्यायालय तहसीलदार आधारताल द्वारा विधिक प्रक्रिया का पालन किए बिना अगस्त 2023 से फरवरी 2024 के बीच पारित सात नामांतरण आदेशों को निरस्त कर दिया है। यह निर्णय अनुविभागीय राजस्व अधिकारी (एसडीएम) आधारताल की जांच रिपोर्ट के आधार पर पुनरीक्षण के बाद लिया गया।

कलेक्टर ने अपने आदेश में पाया कि इन प्रकरणों में पर्याप्त जांच, दस्तावेजों का सत्यापन और राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी के आवश्यक प्रतिवेदन तक उपलब्ध नहीं थे। कई मामलों में हस्ताक्षर, शपथपत्र, स्टाम्प एवं अन्य अनिवार्य दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाई गईं। साथ ही एक प्रकरण ऐसा भी सामने आया, जो अधिकार क्षेत्र से बाहर होने के बावजूद तहसीलदार आधारताल द्वारा निराकृत कर दिया गया था। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी प्रकरणों में



राजस्व अभिलेख यथास्थिति में रखे जाएं। यदि किसी हितबद्ध पक्षकार का नाम दर्ज हो चुका है तो उसे वर्तमान स्थिति में बनाए रखा जाए, ताकि आगे किसी प्रकार की जटिलता उत्पन्न न हो। साथ ही यह निर्देश भी दिए गए कि खसरे के कॉलम नंबर 12 में “न्यायालय कलेक्टर के पुनरीक्षण में पारित आदेश के अधीन” की टोप अंकित की जाए। निर्णय के अनुसार, इन सभी प्रकरणों को पुनः तहसीलदार न्यायालय में भेजा गया है, जहां आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कर नवीन प्रकरण दर्ज करते हुए विधिवत जांच के आधार पर पुनः निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने अपने आदेश में यह भी कहा कि संबंधित अधिकारियों को तब तक अंतिम निर्णय नहीं लेना है जब तक पुनः सुनवाई पूरी न हो जाए।

निरस्त किए गए प्रकरणों में प्रमुख अनियमितताएं:

प्रकरणों में शपथपत्रों की कमी, स्टाम्प एवं नोटरी की अनुपस्थिति, पटवारी/आरआई के हस्ताक्षर का अभाव, गलत या अपूर्ण दस्तावेज, बिना सत्यापन के आदेश, अधिकार क्षेत्र से बाहर कार्रवाई, तथा पेशी एवं आदेश तिथियों में विसंगतियां प्रमुख रूप से पाई गईं।

प्रमुख प्रकरणों का संक्षिप्त विवरण:

लक्ष्मीपुर भूमि प्रकरण में पटवारी प्रतिवेदन व शपथपत्र अनुपस्थित पाए गए तथा बिना जांच आदेश जारी किया गया। एक अन्य प्रकरण में वकालतनामा, शपथपत्र और शुल्क चालान में गंभीर विसंगतियां मिलीं। फौती नामांतरण प्रकरण में मृत्यु प्रमाण पत्र एवं दस्तावेजों में नामों की भिन्नता तथा अभिलेखीय त्रुटियां पाई गईं। कई मामलों में प्रकरण दर्ज होने से पहले की तारीख पर पेशी दशांकर आदेश पारित किए गए। एक प्रकरण में तहसीलदार ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नामांतरण आदेश जारी किया। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में पारदर्शिता और विधिक प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है। भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा।



बड़ादेव मंदिर व अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त करने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षक संघ संभागा जबलपुर, मप्र द्वारा एक ज्ञापन महापौर एवं कमिश्नर जबलपुर को सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि गोंडवाना साम्राज्य के अमर शहीद राजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह बलिदान प्रतिमा स्थल गोंडवाना चौक स्थित परिसर के आसपास खाली भूमि है और पूर्व से आदिवासियों के आराध्य बड़ा देव पूजा स्थल बना है, जो खुले आसमान के नीचे है, जहां प्रतिदिन आदिवासी समाज के सदस्य उन्हें नमन करते हैं। अतः आगामी दिनों में बरसात शुरू होने वाली है और वर्तमान में भी खुले आसमान में धूप के कारण आदिवासी समाज को पूजन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यहां ऊपर छत, एक बड़ा हॉल एवं प्रसाधन गृह बनाए जाने की मांग संगठन ने की है। ज्ञापन के दौरान गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के संभागीय अध्यक्ष किशोरी लाल भलावी, एड. बालकिशन चौधरी, राजेन्द्र चौधरी, नेमसिंह मरकाम, अजय झारिया, वीएस मरावी, बालकृष्ण तेकाम, नोखेलाल बरकड़े, गया प्रसाद धुवे, दिशा इनवाती, अंजना इनवाती, बालकृष्ण उडके, नारायण चौधरी, एड. सूरज चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संगीन आरोपों के बाद रघु तिवारी पहुंचे एसपी ऑफिस

जबलपुर। नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए लेने के संगीन आरोपों के बाद समाजसेवी रघु तिवारी शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। गौरतलब है कि इससे पहले एक पक्ष ने रघु तिवारी पर अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर दो लाख और एसआई भर्ती कराने के नाम पर आठ लाख मांगने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद मामला शहर में चर्चा का विषय बन गया। इसी बीच रघु तिवारी ने सामने आकर खुद पर लगे सभी आरोपों को सिरों से खारिज किया। उसने एसपी सूर्यकांत शर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि कुछ लोग उनकी सामाजिक छवि खराब करने के लिए सुनियोजित तरीके से साजिश रच रहे हैं। मीडिया से बातचीत में रघु तिवारी ने दावा किया कि उसने हमेशा जरूरतमंद लोगों की मदद की है और एक मामले में हाईकोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़कर पीड़ित परिवार को न्याय भी दिलाया। रघु तिवारी ने कहा कि कोर्ट फीस और कानूनी प्रक्रिया के तहत हुए वैध लेन-देन को गलत तरीके से रिश्तत और ठगी का रूप दिया जा रहा है। यह भी कहा कि यदि उनके खिलाफ किसी भी प्रकार का ठोस सबूत मिलता है तो वह स्वयं गिरफ्तारी देने को तैयार हैं। अब पूरे मामले में नजर पुलिस जांच पर टिकी है। शहर में चर्चा इस बात की है कि आखिर कौन सही है और कौन गलत, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

सहायक आयुक्त सीके दुबे को छात्रसंघ ने सौंपे बेशरम के फूल

जबलपुर। जनजातीय कार्य विभाग में हो रही लगातार अनियमितताओं पर कार्यवाही न होने के कारण परेशान छात्र-छात्राओं ने आज सेवानिवृत्त हो रहे सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को बेशरम का गुलदस्ता भेंट कर उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। छात्रों ने आरोप लगाया कि विभाग के विभिन्न छात्रावासों में व्याप्त समस्याओं को लेकर लगातार शिकायत किए जाने पर विभाग पर कोई कार्यवाही नहीं की गई, बल्कि आरोपियों से पैसे ले लेकर उनको बचाया गया, इसके साथ ही विभिन्न अधिकारियों को पैसे लेकर एक से अधिक छात्रावास दिए गए। छात्रों ने कहा कि सहायक आयुक्त केवल ट्रांसफर करने में व्यस्त थे, उन्होंने छात्र-छात्राओं पर कोई ध्यान नहीं दिया। लगातार कई माह से जनजातीय कार्य विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न उठ रहे हैं जिसको लेकर छात्र-छात्राएं ने उनको हो रही समस्याओं को ठीक करने की मांग की, जिस पर कोई कार्यवाही न होने पर आज छात्रों ने सेवानिवृत्त हो रहे सहायक आयुक्त सीके दुबे को बेशरम का गुलदस्ता भेंट कर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान छात्र संघ के अध्यक्ष सोनेलाल उरेंती, महेश अहिरवार, भारती मेहरा, भूपेंद्र मरावी, विनय झारिया, संजीव सूर्यवंशी, वंशराज वंशकार, सौरभ पाल आदि उपस्थित रहे।



श्री नर्मदा पुराण संगीतमय कथा का समापन

जबलपुर। श्री नर्मदा जी की असीम कृपा एवं पूज्य पूर्वजों के आशीर्वाद से संगीतमय श्री नर्मदा पुराण का आयोजन 22 मई से 29 मई 2026 तक कथा व्यास भगतदास महाराज के मुखारबिंद से लखेरा परिवार द्वारा पं. मोहनलाल नवेरिया त्रिवेणी देवी विद्या मंदिर, जोगनी नगर, जबलपुर में किया गया। 29.05.2026 को श्री नर्मदा पुराण संगीतमय कथा के अंतिम दिन व्यास पूजन, हवन पूजन एवं भंडारा का आयोजन पं. मोहनलाल नवेरिया त्रिवेणी देवी विद्या मंदिर जोगनी नगर, जबलपुर में किया गया।

इस अवसर पर उषा लखेरा, पूर्व पार्षद ठाणेश्वर महावर, सुरेन्द्र तिवारी, राजेश दुबे, विनोद गर्ग, घनश्याम राठौर, भीमसेन मिश्रा, अमरचंद्र यादव, राकेश चौधरी, मोतीलाल तिवारी, किशन गुप्ता, कृष्णा यादव, दीपमाला लखेरा, संध्या लखेरा, इन्द्रा लखेरा, अर्पणा पटेल, शैलेजा पटेल, अर्मता पटेल, मोना राव आदि भक्तजन उपस्थित रहे।



ठक्कर ग्राम की समस्याओं का शीघ्र होगा समाधान : लखन घनघोरिया

जबलपुर। बहुजन समाज पार्टी जिला कार्यकारिणी सदस्य सिकंदर अली ने वार्ड की समस्याओं को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री, वर्तमान विधायक लखन घनघोरिया को बस्ती वासियों के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा, जिसमें ठक्कर ग्राम वार्ड की नाली, रोड, लाइट व स्वच्छता संबंधी अन्य समस्याएं शामिल रही। श्री घनघोरिया ने आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द ठक्कर ग्राम वार्ड की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। ज्ञापन देते समय सिकंदर अली, निजाम अंसारी, मकबूल अंसारी, सफीक मंसूरी, इफानत मंसूरी, समसू अंसारी, सहबू अंसारी, कल्लू और बस्ती के काफी लोग मौजूद थे।

“तत्वबोध” में प्राप्त होता है मैं कौन हूँ? का उत्तर

जबलपुर। चिन्मय विद्या पीठ एवं श्रीराम मंदिर, मदन महल द्वारा जिज्ञासुओं के लिए वेदांत अध्ययन पाठ्यक्रम में तत्वबोध का श्रवण एवं मनन कराया जा रहा है। हमारी जबलपुर शहर में इस प्रकार का आध्यात्मिक अध्ययन प्राप्त होना उन जिज्ञासुओं के लिए सहायक सिद्ध हो रहा है जो भारतीय अध्यात्म को समझना चाहते हैं। आदि शंकराचार्य द्वारा रचित ग्रंथ तत्वबोध में तत्व विवेक पर चर्चा करते हुए प्रश्न आया कि आत्मा क्या है? यानि मैं कौन हूँ? उत्तर आया “मैं” तीन शरीरों से भिन्न, पांच कोषों से परे, तीन अवस्थाओं का साक्षी और सच्चिदानंद स्वरूप हूँ। आगे की कक्षाओं में इन्हें बिंदुओं पर विषयवार श्रवण मनन होगा। वेदांत की आली कक्षाएं 30-31 मई को शाम 04 बजे से 06 बजे तक होंगी। सभी जिज्ञासुओं से उपस्थिति की अपील की गई है।



दीपा खत्री की पहचान सरल व्यवितत्व और उत्कृष्ट कार्यशैली की रही

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से अपने दीर्घ एवं सराहनीय सेवा काल के 33 वर्ष 04 माह उपरांत उत्कृष्ट सेवा पूर्ण कर दीपा खत्री की दिनांक 29 मई को सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुई। इस अवसर पर ब्लॉक नंबर 8 स्थित मीटिंग हॉल में एक गरिमामय सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य अभियंता (ज.क्षे.) जबलपुर एस.के. गिरिया उपस्थित रहे। साथ ही महाप्रबंधक (स्थापना) आर.सी. साहू सहित मानव संसाधन एवं प्रशासन संकाय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। समारोह के दौरान वक्ताओं ने श्रीमती दीपा खत्री की दीर्घकालीन सेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं संस्थान के प्रति उनके योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम का समापन भावपूर्ण विदाई एवं आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। इसी क्रम में अधीक्षण अभियंता (संचा. संधा.) सीधी से अधीक्षण अभियंता पंचराज तिवारी 39 वर्ष 08 माह एवं कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) से श्रीलेखक श्रीमती रजनीश यादव 40 वर्ष की उत्कृष्ट सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

जबलपुर। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर जगदीश मंदिर प्रांगण गढ़ाफाटक, जबलपुर में 29 मई से 05 जून तक श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन हो रहा है। शुक्रवार को कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस 29 मई शुक्रवार को वृहद महाकाली गढ़ा फाटक से पूजन अर्जन पश्चात भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो शंकर घी भंडार, लटकरी पड़ाव से होती हुई कथा स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। कलश यात्रा में सैकड़ों मातृशक्तियों पीले वस्त्र धारण कर कलश रखे बज्र, कीर्तन, नृत्य करती हुई शामिल होकर चल रही थीं। शोभा यात्रा का श्रद्धालु जनमानस ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। आयोजन स्थल पर स्वागतीक का पूजन अर्चन मुख्य यजमान उमाशंकर साहू, यशोदा साहू ने किया, तत्पश्चात



कथा वाचिका दीदी सुश्री सुप्रिया (कृष्णप्रियाजी) श्रीधाम वृंदावन की ओजस्वी वाणी से कथा की महिमा का गुणगान करते हुए कथा का महत्व उजकी दिव्य महिमा एवं कथा की महत्ता का वर्णन किया। आयोजन समिति महिला मंडल एवं सभी श्रद्धालुओं एवं कथा मार्गदर्शक डॉ. अरुण मिश्रा, पुजारी पंडित सुनील दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा प्रतिदिन सांय 5:00 बजे से 8:00 तक होगी कथा का समापन 05 जून को हवन कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ होगा। इस अवसर पर पं. शिवगणेश गौतम, पंडित यदुवंश मिश्रा, सोनल मिश्रा, यजमान सावित्री रैकवार, अभिषेक सोनी, सुनील साहू, श्रीमति मिथलेश/ अरुण तिवारी, वनिता/ योगेन्द्र मालवीय, संध्या मिश्रा एवं महिला/पुरुष मंडल समिति के सभी सदस्यों के साथ ही भारी संख्या में क्षेत्रीय जनमानस की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

शास्त्रीय के साथ लोक नृत्य में महारत हासिल कर रहे प्रतिभागी



जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में मशाल परिसर में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागी शास्त्रीय एवं लोक नृत्य की बारीकियां सीख रहे हैं। शिविर में 101 लड़कियां एवं 8 लड़के कथक सहित विभिन्न लोक नृत्यों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर में नर्सरी से लेकर

वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थी शामिल हैं। प्रशिक्षकों के अनुसार सभी प्रतिभागियों में नृत्य सीखने को लेकर समान उत्साह, लगन और मेहनत देखने को मिल रही है। प्रशिक्षक रितु रजक, गुरपीत कौर मथारू एवं याशिका वर्मा सुबह के सत्र में प्रतिभागियों को कथक की प्रारंभिक तकनीक, तत्कार, तोड़े, ताल एवं लय की बारीकियां सिखा रहे हैं। साथ ही विभिन्न मुद्राओं एवं

अंग संचालन का अभ्यास भी कराया जा रहा है। शिविर के दूसरे चरण में प्रतिभागियों को बुंदेली, छत्तीसगढ़ी एवं राजस्थानी लोक नृत्य का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा हस्त मुद्राएं, ग्रीवा भेद, प्राश्नीय, उप-शास्त्रीय एवं लोक नृत्यों की विशेषताओं की जानकारी भी दी जा रही है। प्रशिक्षण की शुरुआत योग एवं व्यायाम से कर प्रतिभागियों को शारीरिक फिटनेस का महत्व भी समझाया जा रहा है। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए बताया कि शिविर के समापन अवसर पर तर्ग प्रेक्षागृह में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं नन्हे प्रतिभागी भी अपनी प्रस्तुति को लेकर काफी उत्साहित हैं।



जीआरपी ने रेलवे स्टेशन पर चलाया चेकिंग अभियान

जबलपुर। ईद-उल-जुहा पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जीआरपी थाना जबलपुर द्वारा बुधवार को जबलपुर रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन परिसर के भीड़भाड़ वाले स्थानों, टिकट विंडो, मुसाफिर खाना एवं प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच की गई। इस दौरान संधिस्थ व्यक्तियों की ई-रक्षक ऐप के माध्यम से जांच की गई। वहीं रेलवे स्टेशन परिसर में संचालित नाम: होटल के रजिस्टर भी चेक किए गए। होटल संचालकों को निर्देश दिए गए कि ठहरने वाले सभी व्यक्तियों के आधार कार्ड अनिवार्य रूप से लें तथा एम-आधार ऐप के जरिए आधार कार्ड की सत्यता की जांच करें। जीआरपी के अनुसार स्टेशन परिसर में स्थिति सामान्य एवं शांतिपूर्ण है।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है की मैं अक्षय भार्गव पिता श्री अनिल भार्गव निवासी 246, संजीवनी नगर, गढ़ा, जिला जबलपुर शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ, कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूँ । मेरा आधार क्रमांक 8856 0297 2220 है । मेरे पासपोर्ट क्रमांक L6280201 मैं मेरे पिता का नाम अनिल कुमार भार्गव दर्ज है एवं मेरे अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे की मेरी शैक्षणिक अकसूचियाँ, आधार कार्ड एवं पैन कार्ड इत्यादि मैं उनका नाम अनिल भार्गव दर्ज है । मैं अपने पासपोर्ट मैं अपने पिता का नाम अनिल कुमार भार्गव दर्ज है तथा सुधार कर अनिल भार्गव दर्ज कवाना चाहता हूँ एवं भविष्य में मेरे समस्त दस्तावेजों में उनका यही नाम लिखा व पढ़ा जावे ।